

Unfavourable Weather in Thoothukudi Delays Salt Production

Weather conditions are not favourable and it is unusual for many manufacturers. Salt could only be considered a finished product when water in the salt pan reservoir reaches 24 degrees Baume (density).

MADURAI (11 March): Unlike in past years there is a delay in the production of salt in Thoothukudi, the largest contributor in Tamil Nadu, this year.

According to ARAS Dhanabalan, former secretary, Thoothukudi Small Scale Salt Manufacturers Association, prevailing weather conditions are not favourable and it is unusual for many manufacturers. Salt could only be considered a finished product when water in the salt pan reservoir reaches 24 degrees Baume (density). Currently, it is only 15 degrees Baume. Hence, it might take almost a month to achieve production in full swing. Therefore, the unpredictable delay would trigger a possibility of substantial



contraction in production in the coming days he told. G Gragadurai, former president of the Association, said usually salt production in Thoothukudi begins in February and if it rains (unpredictable) in summer, the production is delayed even further. S Petchimuthu, the salt producer, said floods during December caused major

destruction to most of the salt pans in the district. Another producer MP Dileep said production started just this week (2nd week of march) in a few pans that were not affected by the floods.

Michael Motha, who makes and exports salt, said price fluctuations are fueled by high demand and since its price increased in Thoothukudi, many local market stakeholders have started relying more on Gujarat.

As of now a tonne of high-quality salt fetches Rs 3,500 a tonne at market. There were price fluctuations during a volatile period in January this year when a tonne of manufactured salt touched a new high at Rs 5,000.

साल्ट वाशरी & साल्ट वाशरी

CAPACITY 10 TON TO 200 TON PER HRS

ALL TYPES OF TANKER, DUMPER, TROLLEY REPAIRING WORKS

Manufacturers of : Complete Salt Plant, Salt Dryer, Salt Washery, Conveyor Belt, Screw Conveyor, Coke Oven, Plant Maintenance, Fabrication & All Type of Job Works

Jayshukh Pedava

KOTESHWAR STEEL FABRICATION

Anjar GIDC Bhuj-Bhachau Highway, Anjar-370110 Distt.kutch (Gujarat)
Mobile : +91 9825481158 Email : pedavajaysukh@yahoo.com

CHAMUNDA EQUIPMENT

SALT WASHERY PLANT SPECIALIST

OUR PRODUCT RANGE
LUMP CRUSHER, HAMMER CRUSHER, PIN MILL, IMPACT MILL, ULTRA FINE MILL
VIBRATING SCREEN, ROTARY SIFTER, SCREW CONVEYOR, BELT CONVEYOR

SALT WASHERY PLANT
SPICE GRINDING PLANT

ULTRA FINE GRINDING
P.J. DUST COLLECTOR
TURMERIC GRINDING PLANT
BLENDING SYSTEM PLANT

OUR SPECIALIZATIONS :
SALT WASHERY PLANT, SPICE GRINDING PLANT (2 STAGE-3 STAGE), CRUSHED CHILLI PLANT (PIZZA TOPPING)
BESAN GRINDING PLANT, PHARMACEUTICAL GRINDING PLANT, CHEMICAL GRINDING PLANT
AIR CLASSIFICATION SYSTEM, TURMERIC AND GINGER GRINDING PLANT... ETC

CHAMUNDA EQUIPMENT
856/9/D, GIDC, MAKARPURA, VADODARA-10 (GUJARAT)
M-9879472539, 9328253450
Email: hitendra735@gmail.com Website: www.Chamunda-equipment.com

नमक के तीन प्रकार की खपत सबसे ज्यादा

सफेद, काला और सेंधा (रॉक साल्ट) नमक लोग सबसे ज्यादा अपने खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल करते हैं. घरों में इस्तेमाल होने वाले नमक में सबसे ज्यादा सफेद या समुद्री नमक है जिसे टेबल साल्ट भी कहा जाता है. समंदर के पानी से सफेद या समुद्री नमक को बनाया जाता है, जो हल्के भूरे रंग का रंग का होता है. इसे घरों तक पहुंचाने से पहले प्रोसेस भी किया जाता है. इसलिए यह सफेद और काफी बारीक हो जाता है. समुद्र में प्रदूषण की वजह से कई प्रदूषित पदार्थ इसमें मिले हो सकते हैं (शेष पेज 2 पर)

गुजरात: नमक के रेगिस्तान ने चमकाई कच्छ की किस्मत, रोजगार बढ़ा, चार माह में आ चुके हैं करीब सात लाख सैलानी

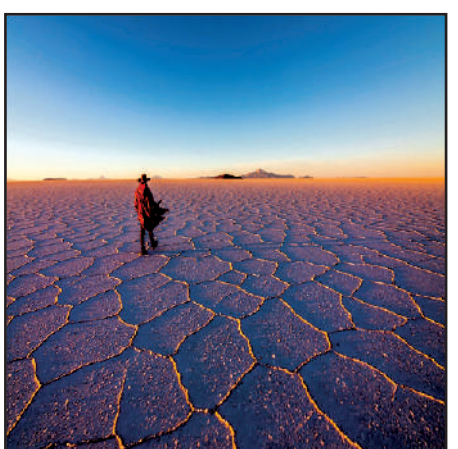
पाकिस्तान सीमा के अंतिम गांव धोरडो और कच्छ जिले के लिए नमक यानी मीठू (गुजराती भाषा में) अब मिठाई बन गया है। करीब चार महीने (नवंबर, दिसंबर, जनवरी और फरवरी में अब तक) में ही करीब सात लाख देशी-विदेशी सैलानी नमक का रेगिस्तान देखने आ चुके हैं। इससे रोजगार बढ़ा है। धोरडो सहित आसपास के लोगों की किस्मत चमक गई है। सबकी आमदनी बढ़ी है। वीरान क्षेत्र में रण उत्सव मन रहा है। इसके लिए टेंट सिटी बनाई गई है। रिजॉर्ट बने हैं। नमक का रेगिस्तान देखने आने वाले सैलानियों को लाइट एंड साउंड शो दिखाया

Central Agriculture and Farmer Welfare State Minister Shri Kailash Chaudhary Visited at Neelkanth Salt (Gandhidham) Where Various Dignitaries Were Present For The Warm Greetings. Tejasabhai Sheth (Municipality President) along With Mahesh Bhai Punj (Chamber President) Welcomed The Esteemed Guest Pankaj Thakkar (Lion President BJP) and Babubhai Gujaria (Taluka President BJP) Were Also In Attendance. Tejabhai Kangad (President of Ahir Samaj) Graced the Occasion With His Presence. Several Industrialists Were Also Present, Adding to the Significance of the Visit.



जा रहा है। धोरडो ग्राम पंचायत है। इससे तीन मजरे पटगार, उडो, सीढ़ियाडो जुड़े हैं। ग्राम पंचायत की आबादी 1500 है। धोरडो के सरपंच मियां हुसैन के मुताबिक, पीएम नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तभी से रण उत्सव मनाया जा रहा है। 100 किमी के दायरे में नमक की सफेद चादर धोरडो गांव के आगे नमक की चादर बिछी है, जो पाकिस्तान सीमा तक रहती है। इससे धोरडो सहित आसपास के लोगों का जीवन कठिन रहता है। ग्रामीण कहते हैं कि पाकिस्तान सीमा के पास जब

समुद्र में ऊंची लहरें उठती हैं, तब पानी धोरडो गांव के पास तक आ जाता है। इस गांव से समुद्र की दूरी करीब 150 किलोमीटर है। इसके बावजूद पानी पहुंचता है। बाद में बारिश होती है। खूब पानी लगता है। अक्टूबर से पहले पानी नीचे चला जाता है। पानी के उतरते ही 100 किलोमीटर के दायरे में नमक की सफेद चादर दिखने लगती है, जो समुद्र के खारे पानी की वजह से बनता है। इस क्षेत्र में खेती-किसानी नहीं होती है। आय का जरिया पशुपालन और पर्यटन ही है।



शक्ति और बुद्धि का रक्षक आयोडीन नमक-सीएमओ

— खुले डिब्बे में नमक रखने से खत्म होती है आयोडीन की मात्रा —

बिलासपुर। आयोडीन हमारे शरीर की थायराइड ग्रंथि में संग्रहित होता है। आहार का महत्वपूर्ण खनिज तत्व है। जोकि हमारे शरीर के लिए महत्वपूर्ण है। यह रसायन प्रोटीन की चयापचय में मदद करता है। यह शरीर के सामान्य विकास एवं वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग बिलासपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार ने प्रेसनोट जारी कर बताया कि भारत सरकार ने 1962 में 100 फीसदी केंद्रीय सहायता प्राप्त राष्ट्रीय घेंचा नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया था। 1992 में राष्ट्रीय घेंचा नियंत्रण कार्यक्रम का नाम बदलकर राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता नियंत्रण कार्यक्रम रख दिया गया। आयोडीन हमें भोजन एवं अन्य खाद्य पदार्थों जैसे दूध, दही, समुद्री वनस्पति, मछली, अंडे, नमक, सब्जियां, फलों तथा पानी से प्राप्त होता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए आशा रोजाना लगभग 100 माइक्रोग्राम से 150 माइक्रोग्राम अर्थात सुई की नोक के बराबर की औसत मात्रा की

जरूरत होती है जो जीवन भर के लिए केवल एक छोटे से आयोडीन युक्त चम्मच के बराबर होती है। इसकी कमी से घेंचा, मानसिक मंदता दृष्टि एवं श्रवण दोष, मृत शिशु जन्म, गर्भपात आदि हो सकता है। बच्चा गूंगा, बहरा, बौना तथा मंदबुद्धि हो सकता है। आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में करीब 1.5 बिलियन लोग, भारत में 71 मिलियन लोग आयोडीन अल्पता विकार से पीड़ित हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि नमक खरीदते समय यह सुनिश्चित कर लें कि पैकेट पूरी तरह से बंद हो। नमक को बंद ढक्कन युक्त सूखे डिब्बे में रखें। सब्जी या दाल में नमक पकाने के बाद डालें या सुनिश्चित कर लें कि नमक निकालने के बाद पुनः हरे बंद करें। क्योंकि डिब्बा खुला रखने से आयोडीन खत्म हो जाती है। लोगों को आयोडीन की कमी से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए आशा घर-घर जाकर आयोडीन नमक टेस्ट किट से नमक की जांच करेंगी।

बिना इसके लकवा मार सकता है, जानें क्यों जरूरी है खाने में 1 चुटकी नमक ?

National Salt Awareness Week: अक्सर नमक खाने को लेकर हमारे दिमाग में एक ही बात होती है कि ये नुकसानदेह है और हाई बीपी का कारण बन सकती है। जबकि, सेहत के लिए ये जरूरी भी है।

National Salt Awareness Week: नमक कम खाना चाहिए। ये बात हम लोग शुरू से जानते आए हैं क्योंकि ज्यादा नमक शरीर में सोडियम बढ़ाता है और हाई बीपी का कारण बनता है। लेकिन, इसका मतलब ये नहीं कि ये जरूरी नहीं है। दरअसल, नमक उतना ही जरूरी है जितना कोई और तत्व। नमक की कमी से शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है जो कि गंभीर रूप ले सकती है। ये स्ट्रोक का कारण बन सकती है। ये तब होता है जब मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति बाधित या कम हो जाती है, जिससे मस्तिष्क कोशिकाओं को नुकसान होता है और संभावित रूप से स्थायी हानि होती है। इसके अलावा भी नमक की कई समस्याओं का कारण बन सकता है। जानते हैं इस बारे में Dr Vinit Banga, Associate director - Neurology, BLK, Max Super Speciality Hospital. विस्तार से।

क्यों जरूरी है खाने में 1 चुटकी नमक ?

छह इंच इंच इंच इंच इंच इंच की मांने तो शरीर में नमक की कमी स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाती है। दरअसल, ब्लड प्रेशर को हेल्दी बनाए रखने और स्ट्रोक के जोखिम को कम करने के लिए नमक का सेवन करना जरूरी है। इसके अलावा ये शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स और तरल पदार्थों का संतुलन, कोशिकाओं में पोषक तत्वों को ले जाना, एसिड-बेस संतुलन, तंत्रिका आवेगों के स्थानांतरण का समर्थन, ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करना और गैस्ट्रिक एसिड के प्रोडक्शन से जुड़ा हुआ है। क्या कम सोडियम लकवा का कारण बन सकता है ?

मस्तिष्क आमतौर पर सोडियम में धीमी गिरावट के अनुरूप ढल जाता है ताकि मस्तिष्क में सूजन आमतौर पर दिखाई न दे। इससे हाइपोनेट्रेमिया (hyponatraemia) की स्थिति हो सकती है। इसमें सभी चार अंगों में लकवा (quadriplegia) का जोखिम बढ़ता है। इसके अलावा नमक की कमी से आप लो बीपी के शिकार हो सकते हैं जिससे लकवा की स्थिति भी आ सकती है।

नमक कितनी मात्रा में लें ?

नमक की अनुशंसित दैनिक खपत उम्र के अनुसार भिन्न होती है, लेकिन आम तौर पर वयस्कों के लिए प्रति दिन 2,300 मिलीग्राम से अधिक नहीं लेने की सलाह दी जाती है। कुछ लोगों इसे और कम मात्रा में भी खा सकते हैं, जैसे हाई बीपी या हृदय रोग वाले व्यक्ति। हालांकि, कई लोग अक्सर अनजाने में इस अनुशंसित सीमा को पार कर जाते हैं, क्योंकि प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और रेस्तरां के भोजन में नमक का प्रचलन है।

इसलिए कोशिश करें कि घर का खाना खाएं। भोजन में नमक की मात्रा को नियंत्रण करें। इसके अतिरिक्त, जड़ी-बूटियों, मसालों, साइट्रस और अन्य प्राकृतिक सीजनिंग के साथ भोजन को टेस्टी न बनाएं। साथ ही किसी भी चीज को खाने से पहले उस पर लगा लेबल चेक करें।

राजस्थान की सांभर झील के बिगड़ते हालात

सांभर के पानी में सोडियम क्लोराइड की उच्च मौजूदगी के कारण यहां के नमक की बहुत अधिक मांग है। झील के नमक के उत्पादन का प्रबंधन सांभर साल्ट्स लिमिटेड (एसएसएल) द्वारा किया जाता है, जो हिंदुस्तान साल्ट्स लिमिटेड और राजस्थान सरकार का संयुक्त उद्यम है। परंतु एक अनुमान के अनुसार सांभर झील से हर साल 32 लाख टन स्वच्छ नमक का उत्पादन होता है, जिसमें से 30 लाख टन का उत्पादन अवैध रूप से होता है।

सांभर झील के उत्तरी और पश्चिमी तट विशेष रूप से अवैध नमक उत्पादन के लिए कुख्यात हैं। इस गतिविधि से क्षेत्र की पारिस्थितिकी बुरी तरह प्रभावित हुई है और पिछले कुछ वर्षों में झील में सर्दियों में रहने वाले प्लेमिंगो की संख्या में भारी गिरावट आई है। नावों, निजी नमक उत्पादकों द्वारा बोरवेल खोदने, अवैध पंप द्वारा पानी निकालने और बिजली केबल बिछाने के लिए कई अर्थमूविंग मशीनें, हेवी ड्यूटी कंप्रेसर और ड्रिल मशीनें देखी जा सकती हैं। अवैध मूजल निकासी के लिए बिजली चोरी से निपटने के लिए, सांभर साल्ट्स लिमिटेड द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष राजस्थान राज्य बिजली वितरण कंपनी (डिस्कॉम) के खिलाफ एक रिट याचिका दायर की गई थी। जनता के दबाव में राज्य सरकार को विनोद कपूर समिति का गठन

करना पड़ा। अपनी 2010 की रिपोर्ट में समिति ने 'झील में नमकीन पानी निकालने के अवैध कारोबार' पर प्रकाश डाला। रिपोर्ट में कहा गया है कि वेतलैंड क्षेत्र में 13,000 से अधिक अवैध ट्यूबवेल हैं। अब हालात और भी बदतर हुए हैं। यह हजारों करोड़ रुपये का अवैध कारोबार है। इस रिपोर्ट में इसे रोकने के लिए कई प्रकार के सुझाव दिए गए हैं परंतु क्षेत्र में व्यापार और राजनीतिक हितों के बीच सांठगांठ इतनी अधिक है कि क्षेत्र की पारिस्थितिकी को होने वाले नुकसान को रोक पाना असंभव लगता है।



पेज 1 का शेष

नमक के तीन प्रकार की खपत

और प्रोसेसिंग की वजह से जरूरी अवयव इस नमक से गायब हो जाते हैं। पिछले दो दशक में आयोडीन को मिलाकर समुद्री नमक को बेचा जा रहा है।

दरअसल, कई इलाकों में आयोडीन की मात्रा की कमी होने की वजह से आयोडाइज्ड नमक खाद्य पदार्थों में जरूरी होता है। लेकिन कई जगहों पर आयोडीन प्रचूर मात्रा में होने की वजह से इसकी जरूरत नहीं पड़ती है। वैसे आयोडीन की कमी वाले इलाकों में आयोडाइज्ड नमक नहीं खाने से घेंचा नामक बीमारी हो जाती है। सफेद या समुद्री नमक में NaCl की मात्रा 97-99% होती है।

वहीं दूसरे प्रकार का नमक सेंधा नमक (Rock Salt) है जिसे हिमालयन पिंक साल्ट भी कहा जाता है। ये हल्का गुलाबी रंग का होता है और इसमें NaCl की मात्रा 90 से 98 फीसदी होता है। तीसरा प्रकार काला नमक (Black Salt) है इसमें हरड़ के बीज, आंवला बगैरह को मिलाकर भट्टी में तैयार किया जाता है। यह गरम होने पर काला और पीसे जाने पर गुलाबी रंग का दिखाता है।

DIVYA SALT PVT. LTD.
A Salt Experts

DIVYA SALT PVT. LTD.

Manufacturer & Exporters of :

Refined Free Flow Iodised Salt , Rock Salt, & Industrial Salt

Office : T.C.X. S-23, Gandhidham-370201
Distt. Kutch (Gujarat) Ph.: (O) 02836-233919
Fax: 02836-221114 Mob.: 9825226062
Email : divsalt@gmail.com Web : www.divyasalt.com

VILNESH INTERNATIONAL
MANUFACTURING | SUPPLYING | EXPORTING

VIBRO SCREEN

Rock Salt Grinding Machine

HAMMER CRUSHING

CONTACT US

A-62, Bileshwar Industrial Estate, Opp. G.V.M.M., Odhav Ring Road, Odhav, Ahmedabad, Gujarat 382415, India.

marketing.vilneshinternational@gmail.com
vilneshinternational@gmail.com
contactus@vilneshinternational.com

+91 98253 44824
98253 44816
98253 44894

www.vilneshinternational.com | www.spicesmachine.com | www.spicespulverizer.com

Food & Spices Plant Machineryes

Pharmaceutical
Chemical
Food Processing
Solid / Liquid Separation

An ISO 9001 : 2000 COMPANY

Arrive at your core...!

Pusher Centrifuge

We provide the Specialist Services Support on solid/ liquid Separation subject in total. We analyze Client's need and goals and help them arrive at sound investment decisions.

- For continous seperation by filtration.
- Cylindrical/Cylindroconical baskets
- Counter-current washing
- Hydraulic pushing mechanism
- Solid Discharge by collection channel and down guide
- Separation of Mother Liquor & wash by compartmented casing
- Basket diameters up to 900 mm.

- Ideal for separation of suspended, fast draining Crystalline, Granular or Fibrous Solids from Liquid phase.
- Solid can be washed while transporting through the basket.
- The Wedge bar profile and slot width are chosen to process requirments.
- Single and two stages baskets.
- Individual drives for Rotor and Hydraulics Sysytem

Applications :
Chemical, Fertilizer, Pharaceuticals, Food Processing, Animal feeds, Plastics/Explosives and Allied Industries.

We process relations...

Rotofilt Engineers Ltd.
Plot No. 102, Phase I, Opp. Torrent Sub Station, G.I.D.C. Vatva, Ahmedabad-382443 India.
Tel. : +917925899601 To 605 • Fax : +91 7925899607 / 8 • Email : mktg@rotofillt.com, mktg@rotofillt.in • www.rotofillt.com

Product Range : pusher Centrifuge | Decanter Solid Bowl Centrifuge | Automatic Vertical Pressure Filter | Peeler Centrifuge | Vertical Basket Centrifuge

Largest Manufacturers of SALT Sahayamatha Salterns Private Limited

Sahayamatha Salterns Private Limited is one of the largest manufacturers of salt, byproducts of salt and chemicals in South India. The company Sahayamatha Salterns Private Limited was promoted in the year 1971.

Vision: To be the largest quality wise Salt and Chemical producer in the world.

Mission: To make "Sprinkle Salt" a global brand and extract various byproducts of salt.

Sahayamatha Salterns Private Limited was instrumental in promoting Veppalodai Chemicals, Sahamatha Salt Refinery Private Limited, South India Bromine and Allied Chemicals, Siba Flor and Amritha Chemicals in TamilNadu. The sister concern companies manufacture various products using latest technology with great emphasis on quality.

Our salt quality meets the BIS and PFA standard specifications. We constantly monitor our efficiency by effecting good manufacturing practices, carried out by our production, research and development team.

We are successful in spreading the awareness of consuming iodised salt, through effective advertising and campaigning carried out across South India. A healthy eco system is maintained in our salt works, resulting in attracting a wide range of migratory birds like Flamingos, Pelican, Stork, Glossy Ibis and Red Shank.

"Sprinkle" is Sahayamatha Salterns own brand of salt which was launched in the year 1985. Sprinkle has evolved with time and upgraded itself in each stage. Sprinkle was the first salt brand in South India to introduce the concept of Iodised Salt. The Sprinkle portfolio meets the demands of every household by providing quality salt.

The main products of Sprinkle brand are "Sprinkle Iodised Crystal Salt" and "Sprinkle Refined Free Flow Iodised Salt". The latest addition to the Sprinkle brand is "Sprinkle Premium Refined Free Flow Iodised Salt" the product was launched in 2010 with improved quality and packaging after years of research and development to produce the best salt available for human consumption.

Sprinkle salt contains Iodine a vital health giving nutrient for you and your children. Our product is manufactured with the latest technology and confers to BIS and

PFA quality specifications. Our products are available in both 500grams pouches and 1kg pouches. Sprinkle is marketed by Veppalodai chemicals a sister concern of Sahayamatha Salterns Pvt Limited. We market our products through dealers in the four southern states (TamilNadu, Kerala, AndhraPradesh and Karnataka). We are proud to say our dealers in Kerala have made the company proud with their spirited efforts and hard work to make "Sprinkle" the No 1 salt brand in Kerala.

History of the Company Parent concern started in 1917. Sahayamatha Salterns in 1971 Veppalodai Chemicals 1985 SSRL incorporated in 1996 SIBAC incorporated in 1991 Siba Flor Natural Decoration Pvt. Ltd. incorporated in 1995 Amritha Chemicals Incorporated in 2006



Add Tastes in Your Life....

बेकिंग सोडा और बेकिंग पाउडर में क्या अंतर है ?

बेकिंग सोडा और बेकिंग पाउडर दोनों ही लेवनिंग (Leavening) एजेंट हैं. अधिकतर घरों में बेकिंग सोडा और बेकिंग पाउडर का इस्तेमाल किया जाता है. कुछ लोगों को लगता है की ये एक जैसे हैं परन्तु ये दोनों पदार्थ अलग हैं, दोनों में अंतर है. आइये इस लेख के माध्यम से बेकिंग सोडा और बेकिंग पाउडर में क्या अंतर होता है के बारे में जानते हैं.

बेकिंग सोडा और बेकिंग पाउडर के बीच के अंतर को समझना महत्वपूर्ण है क्योंकि वे दोनों ही लेवनिंग (Leavening) एजेंट के रूप में कार्य करते हैं लेकिन रासायनिक रूप से काफी भिन्न होते हैं. ये खाने को फुलाने के लिए इस्तेमाल किये जाते हैं. ऐसा कहा जाता है कि बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा के बीच वास्तविक अंतर सीखकर एक बेहतर बेकर बन सकते हैं.

बेकिंग सोडा क्या है ?

बेकिंग सोडा, जिसे सोडियम बाइकार्बोनेट या सोडा का बाइकार्बोनेट के रूप में भी जाना जाता है. यह एक रासायनिक लेवनिंग (Leavening) एजेंट है जो कि बेकड खाने में इस्तेमाल किया जाता है. बेकिंग सोडा एक क्षारीय यौगिक है, जिसका अर्थ है कि यह अम्लीय नहीं है. जब बेकिंग सोडा एक एसिड के साथ संयुक्त होता है, तो यह कार्बन डाइऑक्साइड गैस बनाता है.

यानी बेकिंग सोडा कुछ और नहीं बल्कि सोडियम बाइकार्बोनेट है, जिसका रासायनिक सूत्र NaHCO3 है. बेकिंग सोडा मूल रूप से एक नमक की तरह है जिसमें सोडियम केशन (Cation) होता है जिसे Na+ और HCO3- बाइकार्बोनेट आयन के रूप में दर्शाया जा सकता है.

बेकिंग सोडा एक सफेद, क्रिस्टलीय सॉलिड है जिसका नमकीन स्वाद होता है. यह लेवनिंग (Leavening) एजेंट के रूप में बेकिंग में काफी उपयोगी है क्योंकि यह एक ऐसा पदार्थ है जो झाग बनाता है, जिससे मिश्रण नरम हो जाता है. इसे सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट (Sodium Hydrogen Carbonate) भी कहा जाता है. रासायनिक अभिक्रियाएँ कितने प्रकार की होती हैं बेकिंग पाउडर क्या है ?

बेकिंग पाउडर सोडियम बाइकार्बोनेट, अन्य बाइकार्बोनेट और एसिड लवण का मिश्रण होता है. बेकिंग पाउडर एक पूर्ण लेवनिंग (Leavening) एजेंट है, जिसका अर्थ है की इसमें बेस (सोडियम बाइकार्बोनेट) और एसिड दोनों शामिल हैं. ये बेकिंग एसिड टार्ट्रेट (tartrate), फॉस्फेट (phosphate) और सोडियम एल्यूमीनियम सल्फेट (sodium aluminium sulfate) अकेले या संयोजन में उपयोग किए जाते हैं. चूँकि बेकिंग पाउडर में एसिड ड्राई होती है इसलिए बेकिंग सोडा तब तक रिपैक्ट नहीं करता है जब तक उसमें कोई तरल या लिक्विड ना मिलाया जाए.



यानी ऐसा कहना गलत नहीं होगा कि बेकिंग पाउडर जिनमें अम्लीय तत्व न हों जैसे बिस्किट, कॉर्न ब्रेड, या पेनकेक्स.

7. यानी ऐसे कह सकते हैं कि बेकिंग सोडा का इस्तेमाल नान, भट्टा जैसी चीजों को बनाने के लिए किया जाता है. वहीं बेकिंग पाउडर का इस्तेमाल केक और बेकरी जिन्हें तला नहीं जाता बल्कि बके किया जाता है में होता है.

बेकिंग सोडा कैसे काम करता है ? एक बाइकार्बोनेट (HCO3-) जो सोडियम परमाणु से संबंधित है जब पानी मिलाया जाता है तो बाइकार्बोनेट घुल जाता है और छद्म उत्पन्न करने के लिए एसिड के साथ प्रतिक्रिया करने में सक्षम होता है. ये नमी और खट्टे पदार्थों से रिपैक्ट करता है और कार्बन डाइऑक्साइड गैस निकालता है. इस कारण से खाने में बबल इकट्ठे हो जाते हैं और खाना सॉफ्ट और स्पंजी हो जाता है. इसलिए बेकिंग सोडा को रिपैक्ट करने के लिए दही, छाछ जैसे खट्टे पदार्थों की जरूरत होती है.

बेकिंग पाउडर कैसे काम करता है ? बेकिंग पाउडर बेकिंग सोडा और एसिड से बनाता है. इसका बेस बेकिंग सोडा की तुलना में ज्यादा एसिडिक होता है इसलिए खाने में मिलाने से ये खुद काम करना शुरू कर देता है. नमी के संपर्क में आने पर ये खुद रिपैक्ट करना शुरू कर देते हैं और जब इसे ओवन में रखते हैं तो गर्मी के कारण इसमें पहले से बने बबल और बड़े हो जाते हैं जिसके कारण खाना या रेसेपी और ज्यादा स्पंजी बनती है.

5. बेकिंग सोडा में लेवनिंग (Leavening) प्रोसेस मदद से लेवनिंग (Leavening) प्रोसेस को बढ़ाया जा सकता है.

6. उन व्यंजनों में बेकिंग सोडा का उपयोग करें जिनमें छाछ, नींबू का रस या सिरका जैसे अम्लीय तत्व होते हैं, ऐसे व्यंजनों में बेकिंग पाउडर का उपयोग करें

साल्ट टेबलेट ही साल्ट टेबलेट

वाटर साफ्टनिंग के लिए

साल्ट टेबलेट

खरीदने हेतु सम्पर्क करें

अपने वाटर साफ्टनर फ्लॉट की लाइफ बढ़ाएं

BHASKAR SALT SUPPLIERS
2514, Tilak Bazar, Delhi-110006
Mobile : +91 9999077805/968

सभी प्रकार के नमक के लिए सम्पर्क करें

IN GANDHIDHAM

HITACHI CONTRACTOR
(SPECIALIST IN SALT WORKS)

All Over Gujarat

Shree Ravechi Earthmovers

218, Gokul Park, Gandhidham-370201 Distt.-kutch (Gujarat)
Mobile : 9099371451, 9925414538
Email : bhaveshahir567@gmail.com

Sister Concern :
Ravechi Salt Works
VDM Warehouse & Logistics

SEPTTECHNIK ENGINEERS Jitendra Patel 09824515558

Mfrs of : Mechanical & Hydraulic Pusher Centrifuges

India's Largest Range in Pusher Centrifuges

SAGAR FILTRATION TECHNOLOGY

Spares & Service for ALL CENTRIFUGES

Address : Plot No. 185-186 Por Industrial Park, B/H Sahyog Hotel, N.H.8, Por-391243 (Gujarat)
Tele-Fax : 0265-2641585/3049070
E-mail : septtechnik@yahoo.co.in, sftbaroda@yahoo.com

विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें :
9891259636

PARVATHI V.G.P GROUP

SANTHANAM PACKAGINGS PVT LTD
(UNIT OF PARVATHI POLYBAGS)

1-203, KURUKKUSALAI TO KULATHUR MAIN ROAD, K.SHANMUGAPURAM VILLAGE, KURUKKUSALAI THOOTHUKUDI - 628772

OUR PRODUCTS

- Multicolor Bags/PP Bags (5kg - 25kg)
- Salt Bags, Fertilizer Bags, Cement Bags, Chemical Bags, Gunny Bags, Wall putty Bags, Cement Bags, Activated Carbon Bags, Leno Bags
- SHIPPING BAGS
- Customized Tailor Made Bags
- PP NON-Woven Bags (2kg - 5kg)
- Pico Bags, Dhoil Bags, Salt Bags, Fertilizer Bags, Activated Carbon Bags
- POUCHES & ROLLS
- Laminated Rolls & Pouches For all Flexible Packaging (5gms - 5kg)
- GUNNY BAGS
- New & Re-Used Gunny Bags
- PINCH BOTTOM BAGS
- High Quality Bottom Bags have gained immense popularity in the market due to its distinct abilities. High DPM Pinch Bottom Bags take the charge and guarantee 100% protection.

DIRECTORS

G.RAJENDRAN - + 91 94431 34812
rjendran93@gmail.com

V.G.KANNAN - + 91 94433 41828
vgkannanbags@gmail.com

C.JEYAKUMAR - + 91 94431 51828
jeyaj1828@gmail.com

M.CURUSEKAR - + 91 94431 77999
mcurusekar@gmail.com

M.MUTHUVEL - + 91 96299 77999
muthuvel@gmail.com

R.CURUMANOJ - + 91 95667 77999
rcurumanoj@gmail.com

Ujjawal Enterprise
where quality meets service....

ONE STOP SOLUTION FOR ALL YOUR S.S. WIREMESH REQUIREMENTS IN 304 & 316 QUALITY

All wiremesh from 75 Micron to 4000 Micron in 1 meter, 4 feet, 5 feet, 2 meter & so on widths under one roof

SERVING INDUSTRY SINCE 30 YEARS

D-177,178, Siddhi Industrial Park, Opp.Jubilee Mill Compound, Bardolpura Road, O/s Dariyapur Gate, Dariyapur, Ahmedabad-380004 (Guj.)
Contact : Devendra Gandhi : 9327045653, Abhishek Gandhi : 8000277453
Email : ujjawalmesh@gmail.com Website : www.wiremesh-india.com

Daxesh K. Gajjar M. 09979918191

Nilesh K. Gajjar M. 09726448239

Shree Hari Krupa Engineering

Mfg. of Salt Washery Plant, Industrial Machines, Salt machines & All Type of Engineering Works.

Plot No. 27, Ward 1/B, Nr. Gopal Stadium, G.I.D.C. Area, Adipur (Kutch) 370205 Gujarat India.
Email: shreeharikrupaengg@gmail.com, dudhaiya.nilesh@gmail.com

स्वामी / मुद्रक / प्रकाशक सतीश अरोड़ा द्वारा कोरपोरेशन प्रेम, 574-ए, विजय पार्क, गली नं०-2 मौजपुर, शाहदरा दिल्ली-110053 से मुद्रित व 2514 तिलक बाजार दिल्ली-110006 से प्रकाशित। संपादक - सतीश अरोड़ा

One Day Training Program & Seminar On Double Fortified Salt & Gender Sensitization For Salt Processors By Nutrition International At The Gandhidham Chamber Of Commerce And Industry On 12th March 2024

